बाजार आधारित आर्थिक प्रेषण (एमबीईडी)

सन्दर्भ

केंद्र और सरकारों के बीच बिजली बाजार को लेकर तनाव की स्थिति है ।

नयी व्यवस्था के बारे में

• प्रस्ताव में अंतर-राज्यीय और राज्य के भीतर दोनों में लगभग 1,400 बिलियन यूनिट की संपूर्ण वार्षिक बिजली खपत को भेजने के लिए केंद्रीकृत शेड्यूलिंग की परिकल्पना की गई है।

• केंद्र के अनुसार, मौजूदा मॉडल केंद्र के 'वन नेशन, वन ग्रिड, वन फ्रीक्वेंसी, वन प्राइस' फॉर्मूले के अनुरूप बिजली बाजारों को बेहतर करेगा।

• अनिवार्य पूल आधारित मॉडल यह सुनिश्चित करेगा कि देश भर में सबसे सस्ते बिजली उत्पादन संसाधनों की आपूर्ति समग्र प्रणाली की मांग को पूरा करने के लिए की जाती है।

• इसके भाग के रूप में, राष्ट्रीय सुरक्षा परिषद के लोड डिस्पैच सेंटर द्वारा सुरक्षा प्रतिबंधित आर्थिक प्रेषण (एससीईडी) नामक एक एल्गोरिथम विकसित किया गया है।

• इसका उद्देश्य राष्ट्रव्यापी आधार पर समय-निर्धारण निर्णयों पर सूचित कॉल करने में नियामकों की सहायता करना है।

• इससे ग्राहकों को कम से कम 5% की बचत होगी।

• एनएलडीसी की स्थापना विद्युत् मंत्रालय द्वारा 2005 में विद्युत अधिनियम 2003 के प्रावधानों के तहत की गई थी।

बिजली बाजार

• बिजली संविधान की समवर्ती सूची में है।

• वर्तमान में, भारतीय बिजली बाजार एक विकेन्द्रीकृत, स्वैच्छिक पूल-आधारित और विविध बाजार है, जिसमें लंबी अवधि के बिजली खरीद समझौते (पीपीए), सीमा पार पीपीए, लघु और मध्यम अवधि के द्विपक्षीय,दैनिक बिजली विनिमय, और एक वास्तविक ऑनलाइन बाजार शामिल हैं। .

• 87% से अधिक स्थापित बिजली क्षमता लगभग 25 वर्षों के दीर्घकालिक पीपीए के तहत जुड़ी हुई है। शेष 13% का लेन-देन पावर एक्सचेंजों में और अल्पकालिक और मध्यम अवधि के द्विपक्षीय सौदों के माध्यम से किया जाता है।

विद्युत ग्रिड का वर्तमान प्रबंधन

• बिजली ग्रिड को राज्य भार प्रेषण केंद्रों (एसएलडीसी) द्वारा प्रबंधित राज्य-वार स्वायत्त नियंत्रण क्षेत्रों में विभाजित किया गया है, जिनकी निगरानी क्षेत्रीय भार प्रेषण केंद्र (आरएलडीसी) और राष्ट्रीय भार प्रेषण केंद्र (एनएलडीसी) द्वारा की जाती है।

• प्रत्येक नियंत्रण क्षेत्र अपनी मांग को उत्पादन संसाधनों के साथ संतुलित करने के लिए वास्तविक समय में जिम्मेदार है।

• वर्तमान में, प्रत्येक नियंत्रण क्षेत्र या राज्य अंतर-राज्य और अंतर-राज्य संसाधनों के बास्केट से योग्यता-आदेश प्रेषण (सबसे सस्ती बिजली सबसे पहले भेजी जाती है) का अनुसरण करता है और दिन-प्रतिदिन बिजली विनिमय पर खरीद या बिक्री करता है।

• निजी क्षेत्र के द्विपक्षीय बाजार के साथ-साथ बिजली एक्सचेंजों पर स्वैच्छिक आधार पर बिजली बेचते हैं।

फियोना

सन्दर्भ

श्रेणी 1 तूफान फियोना , प्यूर्टो रिको और डोमिनिकन गणराज्य से टकराया ।

प्रमुख बिंदु

• उत्तरी अमेरिका में उष्णकटिबंधीय चक्रवातों को तूफान कहा जाता है।

• यह बड़े आकार के तूफ़ान हैं जो 119 किलोमीटर प्रति घंटे या उससे अधिक की हवाएं उत्पन्न करते हैं।

• जब कोई तूफान जमीन पर पहुंचता है, तो वह समुद्री पानी की को पीछे धकेलता है । पानी की इस दीवार को तूफानी लहर कहा जाता है।

• तूफान के पांच प्रकार या श्रेणियां हैं।

•श्रेणियों के पैमाने को सैफिर सिम्पसन हरिकेन स्केल कहा जाता है। श्रेणियां हवा की गति पर आधारित हैं।

तूफ़ान कैसे बनता है?

• उष्णकटिबंधीय विक्षोभ के रूप में इस तूफान की शुरुवात होती है। यह गर्म समुद्र के पानी के ऊपर एक क्षेत्र है जहां बारिश के बादल बनते हैं।

• उष्णकटिबंधीय विक्षोभ कभी-कभी उष्णकटिबंधीय अवसाद में बदल जाता है। यह 62 किमी/घंटा या उससे कम की हवाओं के साथ गरज के साथ घूमने वाला क्षेत्र है।

• एक उष्णकटिबंधीय अवसाद एक उष्णकटिबंधीय तूफान बन जाता है यदि इसकी हवाएं 63 किमी/घंटा तक पहुंच जाती हैं।

• एक उष्णकटिबंधीय तूफान तब बनता है यदि इसकी हवाएं 119 किमी/घंटा तक पहुंच जाती हैं।

प्यूर्टो रिको के बारे में

• यह कैरेबियन सागर में स्थित संयुक्त राज्य अमेरिका का द्वीप क्षेत्र है।

पोन्नियिन सेल्वान

सन्दर्भ

तमिल उपन्यास पोन्नियिन सेलवन की लोकप्रियता को मणिरत्नम द्वारा बड़े पर्दे के लिए दर्शाया गया है।

प्रमुख बिंदु

• पोन्नियन सेलवन का अर्थ है पोन्नी (कावेरी नदी) का पुत्र।
• उपन्यास लेखक और स्वतंत्रता सेनानी कल्कि कृष्णमूर्ति द्वारा लिखा गया था, और तमिल पत्रिका 'कल्कि' में साप्ताहिक आधार पर 1950-54 से क्रमबद्ध किया गया था।
• यह राजराजा प्रथम के शुरुआती दिनों की कहानी बताता है, अरुणमोझी वर्मन का जन्म हुआ और जिन्हे चोल शासकों में सबसे महान माना जाता है।
• विश्व इतिहास में, चोल वंश सबसे लंबे समय तक दर्ज राजवंशों में से हैं, जिनका शासन नौवीं और दसवीं शताब्दी में चरम पर था।
• इस अवधि के दौरान, तुंगभद्रा नदी के दक्षिण के पूरे क्षेत्र को चोलों के अधीन एक इकाई के रूप में साथ लाया गया था।

राजराजा 1 (985-1014 ई.) के बारे में

• राजराजा प्रथम (947 सीई - 1014 सीई), जिसे अक्सर महान राजा के रूप में वर्णित किया जाता है, एक चोल सम्राट था जिसने 985 सीई से 1014 सीई तक शासन किया था।
• उसके व्यापक साम्राज्य में पांड्य देश, चेरा देश और उत्तरी श्रीलंका के विशाल क्षेत्र शामिल थे।
• राजराजा प्रथम ने एक सक्षम प्रशासक होने के कारण चोल राजधानी तंजावुर में महान बृहदीश्वर मंदिर भी बनवाया।

चीन ने लश्कर के 'कमांडर' की सूची को ब्लॉक किया

सन्दर्भ

तीन महीने में तीसरी बार चीन ने संयुक्त भारत-यू.एस. संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद (यूएनएससी) की 1267 सूची में पाकिस्तान स्थित एक आतंकवादी को रखने के प्रयास किया।

प्रमुख बिंदु

• यह लश्कर-ए-तैयबा के कमांडर साजिद मीर को जोड़ने के प्रस्ताव पर रोक लगाएगा, जो 26/11 के मुंबई आतंकवादी हमलों के साथ-साथ अमेरिका और डेनमार्क में हुए हमलों के लिए जिम्मेदार है।

यूएनएससी 1267 समिति

• यह आतंकवाद का मुकाबला करने के प्रयासों पर काम कर रहे सबसे महत्वपूर्ण और सक्रिय संयुक्त राष्ट्र सहायक निकायों में से एक है, विशेष रूप से अल कायदा और इस्लामिक स्टेट समूह के संबंध में।
• इसमें UNSC के सभी स्थायी और गैर-स्थायी सदस्य शामिल हैं
• आतंकवादियों की 1267 सूची एक वैश्विक सूची है, जो यूएनएससी द्वारा घोषित होते है।
• लिस्टिंग में देशों को यह सुनिश्चित करने के लिए अनिवार्य किया गया है कि नामित आतंकवादी पर मुकदमा चलाया जाए, और उनके पास धन, हथियार या उनके एक क्षेत्र से दूसरे क्षेत्र में यात्रा करने के अधिकार नहीं है।
• कोई भी सदस्य राज्य किसी व्यक्ति, समूह या संस्था को सूचीबद्ध करने का प्रस्ताव प्रस्तुत कर सकता है।

बेनामी राजनीतिक दान को कम करना

सन्दर्भ

चुनाव आयोग ने काले धन से चुनावी चंदे को साफ करने के लिए गुमनाम राजनीतिक चंदे को 20,000 रुपये से घटाकर 2,000 रुपये और नकद चंदे को 20% या अधिकतम 20 करोड़ रुपये तक सीमित करने का प्रस्ताव किया है।

प्रमुख बिंदु

• प्रस्तावों का उद्देश्य राजनीतिक दलों द्वारा प्राप्त चंदे में सुधार और पारदर्शिता लाना और उम्मीदवारों द्वारा किए गए खर्च को भी शामिल करना है।
• वर्तमान में लागू नियमों के अनुसार, राजनीतिक दलों को 20,000 रुपये से अधिक के सभी दान का खुलासा अपनी रिपोर्ट के माध्यम से करना होता है जो चुनाव आयोग को प्रस्तुत किया जाता है।
• यदि चुनाव आयोग के प्रस्ताव को कानून मंत्रालय द्वारा अनुमोदित किया जाता है, तो ₹2,000 से अधिक के सभी दान की सूचना दी जाएगी, जिससे फंडिंग में पारदर्शिता बढ़ेगी।

अन्य सिफारिशें

• चुनाव आयोग ने किसी इकाई/व्यक्ति को ₹2,000 से अधिक के सभी खर्चों के लिए डिजिटल लेनदेन या खाता प्राप्तकर्ता चेक हस्तांतरण अनिवार्य बनाने की मांग की है।
• अभी तक, चुनाव खर्च के लिए एक अलग बैंक खाता बनाए रखना निर्देशों का हिस्सा है, लेकिन चुनाव आयोग चाहता है कि इसे चुनाव संचालन नियमों का हिस्सा बनाया जाए।
•

- चुनाव आयोग यह भी चाहता है कि प्रत्येक उम्मीदवार चुनावी उद्देश्यों के लिए एक अलग बैंक खाता खोलें, इस खाते के माध्यम से सभी खर्चों और प्राप्तियों को करें, और इन विवरणों को अपने चुनावी खर्च के खाते में प्रस्तुत करें।

कैरकल

सन्दर्भ

शोधकर्ताओं की एक टीम ने हाल ही में भारत में प्रजातियों के जीवित रहने के लिए सबसे उपयुक्त क्षेत्रों की मैपिंग की है

प्रमुख बिंदु

• एशियाटिक काराकल (कैराकल कैरकल श्मिट्ज़ी) एक विशिष्ट मध्यम आकार की और स्थानीय रूप से खतरे की श्रेणी में फेलिड (बिल्ली) प्रजाति है, जिसके बारे में व्यापक रूप से भारत में विलुप्त होने के कगार पर होने की सूचना मिली है।
• इसके कारण बड़े पैमाने पर शिकार, अवैध व्यापार और प्राकृतिक आवासों के नुकसान को प्रजातियों के लिए महत्वपूर्ण खतरा माना जाता है।
• काराकल को वर्तमान में वन्य जीवन (संरक्षण) अधिनियम, 1972 की अनुसूची में शामिल किया गया है और संरक्षण मूल्यांकन और प्रबंधन योजना और भारत में प्रकृति के संरक्षण के लिए अंतर्राष्ट्रीय संघ द्वारा संभावित खतरे वाली श्रेणी में शामिल किया गया है।
•शोधकर्ताओं ने 25,221.38 वर्ग किलोमीटर के क्षेत्र के साथ राजस्थान में कैराकल के लिए सबसे महत्वपूर्ण संभावित आवास पाया, इसके बाद गुजरात (16,652.1 वर्ग किमी), मध्य प्रदेश (6416.01 वर्ग किमी), हरियाणा (191.36 वर्ग किमी), उत्तर प्रदेश (131.11 वर्ग किमी) का स्थान है। किमी), और महाराष्ट्र (34.17 वर्ग किमी) है ।
• उन्होंने यह भी पाया कि भारत में बड़ी मात्रा में कैरकल उपयुक्त आवास संरक्षित क्षेत्रों में आते हैं, इस प्रकार पहले से मौजूद प्रबंधन और संरक्षण सेटअप में इसके संरक्षण के लिए एक उत्कृष्ट अवसर प्रदान करते हैं।
• नोट: कैरकल एकमात्र अन्य बिल्ली के समान थी जिसका उपयोग भारत में शिकार के लिए किया जाता था। फिरोज शाह तुगलक के शिकार प्रतिष्ठान में उनमें से कई थे।

पीएम-प्रणाम

सन्दर्भ

यह केंद्र सरकार द्वारा प्रस्तावित योजना है जिसका नाम पीएम प्रणाम (कृषि प्रबंधन योजना के लिए वैकल्पिक पोषक तत्वों का पीएम संवर्धन) है।

प्रमुख बिंदु

• केंद्रीय रसायन और उर्वरक मंत्रालय ने राज्यों के साथ अंतर-मंत्रालयी चर्चा और परामर्श शुरू किया है।
• उद्देश्य :
राज्यों को प्रोत्साहन देकर रासायनिक उर्वरकों के प्रयोग को कम करना।
रासायनिक उर्वरकों पर सब्सिडी का बोझ कम करना।
• 2022-23 में सब्सिडी का बोझ 2.25 लाख करोड़ रुपये तक पहुंचने का अनुमान है - पिछले साल के 1.62 लाख करोड़ रुपये के आंकड़े से 39% अधिक है ।

कार्यान्वयन

• इस योजना का कोई अलग बजट नहीं होगा और उर्वरक विभाग द्वारा संचालित योजनाओं के तहत "मौजूदा उर्वरक सब्सिडी की बचत" के माध्यम से वित्तपोषित किया जाएगा।
• सब्सिडी बचत का 50% उस राज्य को अनुदान के रूप में दिया जाएगा जो पैसा बचाता है।
• योजना के तहत प्रदान किए गए अनुदान का 70% वैकल्पिक उर्वरकों के तकनीकी अपनाने से संबंधित संपत्ति निर्माण के लिए उपयोग किया जा सकता है। शेष 30% अनुदान राशि का उपयोग उन किसानों, पंचायतों, किसान उत्पादक संगठनों और स्वयं सहायता समूहों को पुरस्कृत करने और प्रोत्साहित करने के लिए किया जा सकता है जो उर्वरक उपयोग में कमी और जागरूकता पैदा करने में शामिल हैं।
• किसी राज्य द्वारा एक वर्ष में यूरिया की वृद्धि या कमी की तुलना पिछले तीन वर्षों के दौरान यूरिया की औसत खपत से की जाएगी।
• इस प्रयोजन के लिए उर्वरक मंत्रालय के डैशबोर्ड, आईएफएमएस (एकीकृत उर्वरक प्रबंधन प्रणाली) पर उपलब्ध डेटा का उपयोग किया जाएगा।

अन्य महत्त्वपूर्ण खबरें

बड़ी बेंच का फैसला प्रभावी होगा

सन्दर्भ

संविधान पीठ ने हाल ही में निर्णय लिया कि अधिक संख्या में न्यायाधीशों की संख्या पर ध्यान दिए बिना, कम संख्या वाली पीठ के निर्णय पर अधिक संख्या वाली पीठ का बहुमत निर्णय मान्य होगा।

प्रमुख बिंदु

• संविधान के अनुच्छेद 145(5) के तहत, सुनवाई में अधिकांश न्यायाधीशों की सहमति को न्यायालय का निर्णय या राय माना जाएगा।
• सबसे बड़ी संख्या वाली बेंच द्वारा दिया गया निर्णय कम या समान संख्या वाली किसी भी बाद की बेंच पर बाध्यकारी होता है।
• यह पीठ की संख्या है न कि उन न्यायाधीशों की संख्या जिन्होंने एक विशेष दृष्टिकोण अपनाया है जिसे प्रासंगिक कहा जाता है।

• इसलिए यह पूरी तरह से स्पष्ट है कि कम गणपूर्ति की एक पीठ बड़े कोरम की पीठ द्वारा लिए गए कानून के दृष्टिकोण से असहमत या असहमत नहीं हो सकती है।
• नोट: कोरम का अर्थ है बेंच स्ट्रेंथ जो मामले की सुनवाई कर रही थी

अम्बेडकर सर्किट

सन्दर्भ

केंद्रीय पर्यटन और संस्कृति मंत्री ने स्वदेश दर्शन योजना के तहत "अंबेडकर सर्किट" को कवर करने के लिए एक विशेष पर्यटक ट्रेन की घोषणा की।

प्रमुख बिंदु

• 2016 में प्रस्तावित, पर्यटन सर्किट डॉ. भीम राव अंबेडकर से जुड़े पांच प्रमुख स्थलों 'पंच तीर्थ' को जोड़ेगा।
मध्य प्रदेश का महू - अम्बेडकर का जन्मस्थान;
लंदन - जहां वे रुके और पढ़ाई की;
नागपुर - जहां उन्होंने बौद्ध धर्म अपना लिया;
दिल्ली - जहाँ वे अपने अंतिम वर्षों में रहे थे; तथा
महाराष्ट्र में दादर - जहां उनके पार्थिव शरीर का अंतिम संस्कार किया गया।

कृषि विकास के लिए अंतर्राष्ट्रीय कोष (आईएफएडी)

प्रमुख बिंदु

• कृषि विकास के लिए अंतर्राष्ट्रीय कोष (आईएफएडी) रोम में स्थित एक अंतरराष्ट्रीय वित्तीय संस्थान और संयुक्त राष्ट्र की विशेष एजेंसी है।
• इसे 1977 में संयुक्त राष्ट्र महासभा प्रस्ताव के माध्यम से 1974 में विश्व खाद्य सम्मेलन के प्रमुख परिणामों में से एक के रूप में , 1973 में पहले तेल संकट और खाद्य संकट के मद्देनजर स्थापित किया गया था।
• यह संयुक्त राष्ट्र विकास समूह का सदस्य है।
• इसका उद्देश्य ग्रामीण लोगों को सशक्त बनाना, उनकी खाद्य सुरक्षा को बढ़ाना, उनके परिवारों के पोषण में सुधार करना और उनकी आय में वृद्धि करना है।
• इसका 100% वित्त पोषण छोटे जोत वाले किसानों को जाता है, जिसका उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि 40% वित्त जलवायु कार्रवाई के लिए जाए।

पहला क्लोन आर्कटिक वुल्फ

सन्दर्भ

पहली बार, जंगली आर्कटिक भेड़िये का चीन स्थित जीन फर्म द्वारा सफलतापूर्वक क्लोन किया गया था।

प्रमुख बिंदु

• माया की दाता कोशिका एक जंगली मादा आर्कटिक भेड़िये की त्वचा के नमूने से ली गयी।
• इसका अंडाणु मादा कुत्ते का था और इसकी सरोगेट मां एक बीगल थी।
• भेड़िये के सरोगेट के रूप में कुत्ते का चयन इसलिए किया गया क्योंकि कुत्तों की आनुवंशिक वंशावली प्राचीन भेड़ियों के साथ है और क्लोनिंग तकनीक के माध्यम से इसके सफल होने की अधिक संभावना है

पोलैंड ने विस्तुला स्पिट में नई नहर खोली

सन्दर्भ

पोलैंड ने जहाजों के लिए बाल्टिक सागर से विस्तुला लैगून बंदरगाहों तक जाने के लिए नई नहर खोली।

प्रमुख बिंदु

• पोलैंड का नया समुद्री जलमार्ग बाल्टिक से एल्ब्लैग मार्ग को लगभग 100 किलोमीटर छोटा कर देता है।
• ग्दान्स्क के पूर्व में विस्तुला स्पिट में नहर खुलती है, जिससे जहाजों को बाल्टिक सागर और डांस्क की खाड़ी से एल्ब्लैग और लैगून के छोटे बंदरगाहों तक जाने की अनुमति मिलती है।
• जहाजों को अब बाल्टिक सागर से विस्तुला लैगून के बंदरगाहों तक जाने के लिए रूस की अनुमति की आवश्यकता नहीं होगी ।
• जलमार्ग पोलैंड को पूर्वोत्तर क्षेत्र में पूर्ण संप्रभुता प्रदान करता है, जिसके लिए निवेश और आर्थिक विकास की आवश्यकता है।

MCQ, Current Affairs, Daily Pre Pare